

समाचार वाणी

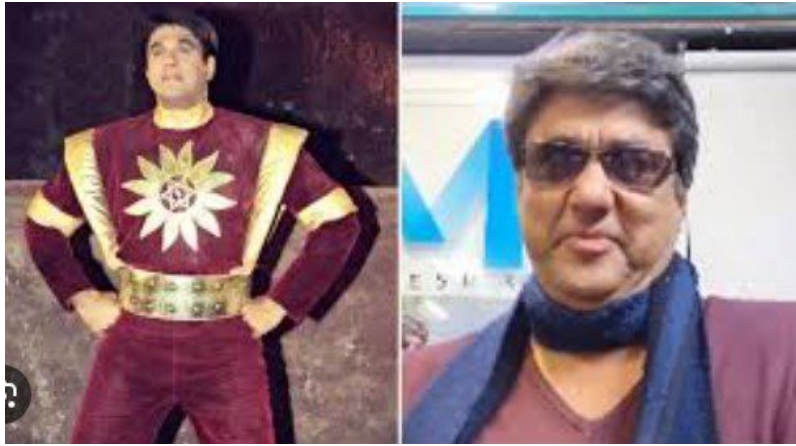
खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

मुकेश खन्ना ने दोस्तों से उधार लेकर बनाई थी 'शक्तिमान', स्टाफ ने भी किया आर्थिक सहयोग ।

Publisher

Published on 21 May 2025



शक्तिमान बनाने के पीछे छुपी संघर्ष भरी कहानी ।

90 के दशक का सबसे लोकप्रिय भारतीय सुपरहीरो शो 'शक्तिमान' आज भी लाखों दिलों की धड़कन बना हुआ है । लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस आइकॉनिक शो के निर्माता और अभिनेता मुकेश खन्ना को इस शो की शूटिंग के लिए पैसे उधार लेने पड़े थे ?

मुकेश खन्ना ने साल 1997 में 'शक्तिमान' की शुरुआत की थी, जो 2005 तक दूरदर्शन पर प्रसारित हुआ । यह शो बच्चों और बड़ों दोनों में बेहद लोकप्रिय हुआ । परंतु इसकी सफलता की कहानी के पीछे एक संघर्ष और बलिदान की अनसुनी दास्तां छिपी है ।

पैसे की तंगी में भी नहीं रुकी शक्तिमान की शूटिंग

जब मुकेश खन्ना के पास शक्तिमान की स्क्रिप्ट तैयार थी, उन्होंने इसे सबसे पहले राजश्री प्रोडक्शन को सुनाया । फिर वे दूरदर्शन के पास गए, जहां से शो को मंजूरी मिल गई । लेकिन इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को बनाने के लिए भारी भरकम बजट की जरूरत थी, जो उस समय मुकेश खन्ना के पास नहीं था ।

दोस्तों से उधार लिए पैसे, फिर भी छोड़ा नहीं सपना

मुकेश खन्ना ने अपने दोस्त जतिन से 8 लाख रुपये उधार लिए । जतिन ने शो में पार्टनरशिप की बात की, लेकिन मुकेश ने उसे सीधे 16 लाख रुपये लौटा दिए । इसके बाद उन्हें 75 लाख रुपये अंबू मुरारका ने बिना ब्याज दिए, जो मुकेश ने दो साल में चुका दिए ।

स्टाफ ने भी जोड़े पैसे, ताकि शूटिंग जारी रह सके

एक इंटरव्यू में **मुकेश खन्ना** ने बताया, “जब पैसे की कमी होती थी, तो शो का स्टाफ मिलकर ₹15,000 से ₹20,000 इकट्ठा करता था ताकि शूटिंग रोकੀ न जाए। बाद में मैंने सबको पैसे वापस कर दिए।”

शक्तिमान : एक जुनून जो मिसाल बन गया

‘**शक्तिमान**’ केवल एक टीवी शो नहीं, बल्कि भारतीय टेलीविजन के इतिहास का एक प्रेरणादायक अध्याय है। **मुकेश खन्ना** का समर्पण, संघर्ष और विश्वास इस शो को आज भी एक क्लासिक बनाता है।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.